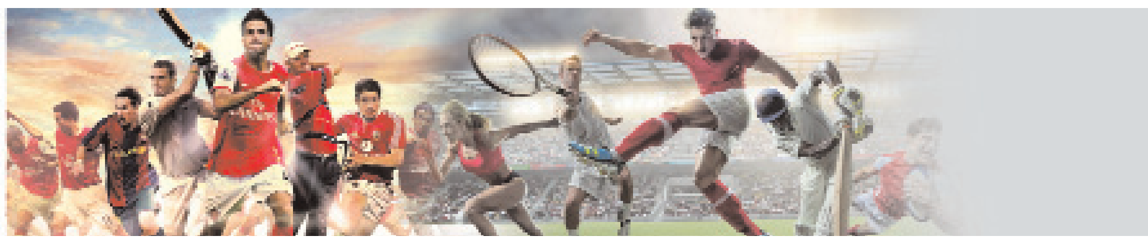

एक नजर में

ऑनलाइन मिलेंगे इंदौर टी-20 के टिकट

इंदौर. भारत और वेस्टइंडीज के बीच 11 अक्टूबर को होलकर स्टेडियम में होने वाले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के टिकटों की कीमतें तय हो गई हैं. मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) ने टिकट दरें जारी कर दी हैं. आम दर्शकों के लिए सबसे सस्ता टिकट 1000 रुपए का होगा, जबकि सबसे महंगा पवेलियन टिकट 12,500 रुपए में मिलेगा. मुकाबले के सभी टिकट केवल ऑनलाइन बेचे जाएंगे. टिकटों की बिक्री के लिए जोमैटो को आधिकारिक साझेदार बनाया गया है. एमपीसीए ने टिकट खरीदने की सीमा भी तय की है. एक व्यक्ति अधिकतम चार टिकट खरीद सकेगा. चारों टिकट एक ही श्रेणी के या अलग-अलग श्रेणियों के हो सकते हैं. स्टेडियम के टिकट काउंटर से ऑफलाइन बिक्री नहीं होगी. एमपीसीए ने टिकटों की कीमतें तो घोषित कर दी हैं, लेकिन ऑनलाइन बिक्री शुरू होने की तारीख और समय की जानकारी अभी नहीं दी है. एसोसिएशन के अनुसार टिकट बिक्री के मंच की तैयारियां पूरी होने के बाद तारीख और समय की घोषणा की जाएगी. भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी. इंदौर में 11 अक्टूबर को होने वाला मुकाबला सीरीज का तीसरा मैच होगा. यह होलकर स्टेडियम में खेला जाने वाला पांचवां टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा.

अगरकर नहीं बढ़ाना चाहते कार्यकाल

नयी दिल्ली. भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के कार्यकाल को लेकर नया घटनाक्रम सामने आया है. समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक 48 वर्षीय अगरकर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को पत्र लिखकर पद पर आगे जारी नहीं रहने की इच्छा जताई है. अगरकर का मौजूदा कार्यकाल 4 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है. इससे बोर्ड के सामने अब नए मुख्य चयनकर्ता की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने की स्थिति बन सकती है. अगरकर ने पहले 2027 के वनडे विश्व कप तक पद पर बने रहने की इच्छा जताई थी. उन्होंने जुलाई 2023 में वरिष्ठ चयन समिति के अध्यक्ष का पद संभाला था. लॉर्ड्स वनडे से पहले रोहित शर्मा को लेकर सामने आए घटनाक्रम के बाद चयन समिति और अगरकर की भूमिका पर सवाल उठे थे. कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि एक चयनकर्ता ने रोहित को टीम की आगे की योजनाओं में शामिल नहीं होने की जानकारी दी थी. इसके बाद रोहित ने लॉर्ड्स में शतक लगाया था. वह इस मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बने थे. मामले के बाद बीसीसीआई के हस्तक्षेप की भी खबरें सामने आई थीं. अगरकर के पद से हटने की स्थिति में बीसीसीआई को नए मुख्य चयनकर्ता के लिए प्रक्रिया पूरी करनी होगी. बोर्ड को पहले पद के लिए विज्ञापन जारी करना होगा और इसके बाद उम्मीदवारों के साक्षात्कार की प्रक्रिया होगी. पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का नाम संभावित उम्मीदवारों में बताया जा रहा है. बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में वरिष्ठ चयन समिति के अध्यक्ष के भविष्य पर फैसला लेने का अधिकार बोर्ड के पदाधिकारियों को दिया गया था. बैठक के बाद सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि बोर्ड के पास फैसला लेने के लिए 15 दिन का समय है और उचित समय पर निर्णय लिया जाएगा.

अंपायरों और मैच रेफ़री की बढ़ाई फ़ीस

मुंबई. इस दशक में पहली बार बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट में अंपायरों और मैच रेफ़री की फ़ीस बढ़ाने का फ़ैसला किया है. मई 2018 में बढ़ी अंतिम बार फ़ीस के तहत अंपायरों को टी20 के इतर मुक़ाबलों के लिए प्रति दिन 40 हज़ार रुपए मिला करते थे जबकि टी 20 के लिए उन्हें 20 हज़ार रुपए मिला करते थे. मैच रेफ़री के लिए यह फ़ीस क्रमशः 30 हज़ार और 15 हज़ार थी. सैकिया ने बीसीसीआई की एजीएम के बाद यह जानकारी देते हुए बढ़ी हुई फ़ीस की राशि का उल्लेख नहीं किया लेकिन उन्होंने कहा कि प्रति दिन की फ़ीस 'काफ़ी बढ़ाई गई है.' सैकिया ने कहा, 'हमने अंपायरों को ए, बी, सी और डी की श्रेणी में विभाजित किया है और मैच रेफ़री की फ़ीस संरचना को भी नए सिरे से तैयार किया है. अंपायरों को उनकी मेरिट के आधार पर पदस्थ किया जाएगा. अंपायर्स बोर्ड के तहत हमारे पास मूल्यांकन करने वाली टीम है. नॉकआउट मुक़ाबलों हो या अहम मुक़ाबले हों, मेरिट के हिसाब से अंपायरों को ज़िम्मेदारी दी जाएगी. सैकिया ने कहा, 'हर सीजन के बाद एक तय प्रणाली के तहत रेलीगेशन और अपग्रेडेशन की व्यवस्था होगी. हर सीज़न के अंत में 10 अंपायर प्रमोट किए जाएंगे और 10 अंपायरों को रेलीगेट किया जाएगा. इससे वह पूरे सीज़न सतर्क रहेंगे और अंतोगत्वा यह क्रिकेट के लिए मददगार सिद्ध होगा क्योंकि कुछ खिलाड़ियों का भविष्य अंपायरों के निर्णयों पर भी निर्भर करता है. उन्हें (अंपायरों को) काफ़ी प्रतिस्पर्धी और सतर्क रहना होगा.' सैकिया ने यह भी कहा कि भारतीय पुरुष फ़ील्डिंग कोच के रूप में शुभादीप घोष की नियुक्ति कम समय के लिए ही गई थी.

एशियन गेम्स 2026

45 देश, 469 पदक स्पर्धाएं...
भारत के 501 खिलाड़ी मैदान में

नवभारत न्यूज नेटवर्क

आइची-नागोया, 19 सितम्बर. जापान के आइची-नागोया में 20वें एशियन गेम्स का आगाज हो चुका है. इस बार महाद्वीप के 45 देशों के खिलाड़ी 43 खेलों की 469 पदक स्पर्धाओं में हिस्सा ले रहे हैं. भारत 36 खेलों में अपनी चुनौती पेश करेगा. भारतीय दल में 501 खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें 267 पुरुष और 234 महिलाएं हैं. खास बात यह है कि 314 खिलाड़ी पहली बार एशियन गेम्स में उतर रहे हैं.

1951 में भारत ने कराई थी शुरुआत

एशियन गेम्स की शुरुआत 1951 में नई दिल्ली से हुई थी. पहले आयोजन में 11 देशों के खिलाड़ियों ने छह खेलों में भाग लिया था. भारत अब तक दो बार, 1951 और 1982 में, एशियाई खेलों की मेजबानी कर चुका है.

भारतीय दल में युवा और अनुभवी दोनों

भारत के 501 खिलाड़ियों में करीब 63 प्रतिशत पहली बार एशियाड में हिस्सा ले रहे हैं. क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी 15 साल की उम्र में भारतीय दल के सबसे युवा खिलाड़ी हैं. वहीं घुड़सवार श्रुति वोरा 55 साल की उम्र में सबसे उम्रदराज भारतीय खिलाड़ी हैं. खिलाड़ियों की संख्या के लिहाज से एथलेटिक्स में 79, हॉकी में 40, क्रिकेट और शूटिंग में 30-30, कबड्डी में 24 और रोइंग में 22 खिलाड़ी शामिल हैं.

तैयारी पर 703 करोड़ रुपए खर्च

भारत ने एशियन गेम्स की तैयारी के लिए नवंबर 2023 से अगस्त 2026 तक करीब 703 करोड़ रुपए खर्च किए हैं. इसमें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं पर करीब 252 करोड़, घरेलू प्रशिक्षण और राष्ट्रीय शिविरों पर 118 करोड़, खेल उपकरणों पर 89 करोड़, विदेशी कोच एवं सहयोगी स्टाफ पर 86 करोड़ और विदेशी प्रशिक्षण पर करीब 40 करोड़ रुपए खर्च किए गए. 30 खेलों में 50 विदेशी विशेषज्ञ और कोच भी जोड़े गए हैं.

भारतीय हॉकी टीमों की नजर गोल्ड और ओलंपिक क्वालिफिकेशन पर

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें 20वें एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं. दोनों टीमें एक स्पष्ट लक्ष्य के साथ जापान पहुंची हैं - गोल्ड मेडल के लिए चुनौती देना और लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक खेलों के लिए सीधे क्वालिफिकेशन हासिल करना. हॉकी प्रतियोगिता काकामिगहारा में खेली जाएगी, जिसमें भारतीय पुरुष टीम 20 सितंबर को इंडोनेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि महिला टीम भी उसी दिन उज्बेकिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरेगी. पुरुष टीम को इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान, बंगलादेश और श्रीलंका के साथ पूल ए में रखा गया है, जबकि महिला टीम उज्बेकिस्तान, इंडोनेशिया, थाईलैंड, जापान और सिंगापुर के साथ पूल बी में है. हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में अपने-अपने अभियानों के बाद दोनों टीमों के लिए एशियाई खेल और भी महत्वपूर्ण हो गए हैं. भारतीय पुरुष टीम वर्ल्ड कप में आठवें स्थान पर रही, जबकि भारतीय महिला टीम ने पांचवां स्थान हासिल करके 52 वर्षों में अपना सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड कप प्रदर्शन किया. हालांकि, अलग-अलग नतीजों के बावजूद, इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में जाने के लिए दोनों टीमों का नज़रिया एक जैसा है - वर्ल्ड कप से सीखें, ज़रूरी सुधार करें और आगे के काम पर पूरी तरह ध्यान दें. भारतीय पुरुष टीम के लिए, एशियाई खेल 2023 में हांगझाऊ एशियाई खेलों में जीते गए गोल्ड मेडल का बचाव करने का मौका है. भारत के खिताब बचाने के प्रयास के साथ 2028 ओलंपिक खेलों के लिए सीधे क्वालिफिकेशन का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी जुड़ा है. भारतीय पुरुष टीम मौजूदा एशियाई चैंपियन के तौर पर टूर्नामेंट में उतर रही है, क्योंकि उन्होंने राजगीर में 2025 का मेन्स एशिया कप जीता था. उनके एशियाई रिकॉर्ड में चार एशियाई खेलों के गोल्ड मेडल शामिल हैं, जिनमें से सबसे हालिया जीत 2023 में हांगझोउ में मिली थी.

एथलेटिक्स सबसे सफल खेल

एशियन गेम्स में भारत को सबसे ज्यादा पदक एथलेटिक्स से मिले हैं. अब तक एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने 283 पदक जीते हैं. इसके बाद शूटिंग के 80, कुश्ती के 65 और मुक्केबाजी के 61 पदक हैं. व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो पीटी उषा के नाम 11 एशियाई खेल पदक हैं, जिनमें चार स्वर्ण और सात रजत शामिल हैं.

यह एक एशियाई खेलों में भारत का अब तक का सबसे बड़ा पदक प्रदर्शन है. 1951 से 2022 तक भारत के नाम 778 पदक थे, जिनमें 183 स्वर्ण, 238 रजत और 357 कांस्य शामिल हैं.

इन खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

भारत की पदक उम्मीदों में स्क्वॉश खिलाड़ी अनाहत सिंह, निशानेबाज ईशा सिंह, तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, धावक गुलवीर सिंह, अविनाश साबले और पारुल चौधरी शामिल हैं. लंबी कूद में अंसी सोजन, भारोत्तोलन में मीराबाई चानू और कुश्ती में अमन सहरावत भी भारतीय दल के प्रमुख नाम हैं.

हांगझोउ में बनाया था रिकॉर्ड

2023 के हांगझोउ एशियन गेम्स में भारत ने 28 स्वर्ण, 38 रजत और 40 कांस्य समेत कुल 106 पदक जीते थे.

36 खेलों की 256 स्पर्धाओं में भारत

भारतीय खिलाड़ी कुल 256 पदक स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे. एथलेटिक्स में 43, शूटिंग में 27, कयाकिंग-कैनोइंग में 14, साइकिलिंग ट्रैक में 11 और बैडमिंटन में सात स्पर्धाएं शामिल हैं. क्रिकेट में पुरुष और महिला दोनों टीमें टी-20 प्रारूप में खेलेंगी.

06 छह नए खेलों की एंट्री

इस बार एशियन गेम्स में छह खेल पहली बार पदक स्पर्धा के रूप में शामिल किए गए हैं. इनमें मिश्रित मार्शल आर्ट्स, पैडल, सर्फिंग, टेकबॉल, वर्चुअल ताइक्वांडो और बीएमएक्स फ्रीस्टाइल शामिल हैं. टेकबॉल में फुटबॉल और टेबल टेनिस का मिश्रण देखने को मिलता है, जबकि पैडल रैकेट से खेला जाने वाला खेल है. दूसरी ओर, ड्रैगन बोट, रोलर स्पोर्ट्स और माइंड स्पोर्ट्स इस बार कार्यक्रम का हिस्सा नहीं हैं.

04 खेलों से ओलिंपिक का रास्ता

नागोया एशियन गेम्स में कुछ स्पर्धाएं लॉस एंजेलिस 2028 ओलिंपिक की क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से भी जुड़ी हैं. आर्चरी, हॉकी, स्क्वॉश और टेनिस में एशियाड का प्रदर्शन ओलिंपिक स्थान हासिल करने के रास्ते का हिस्सा होगा. हालांकि संबंधित अंतरराष्ट्रीय महासंघों के क्वालिफिकेशन नियम लागू रहेंगे.

54 स्थानों पर होंगे मुकाबले

नागोया एशियन गेम्स में पारंपरिक एथलीट विलेज की व्यवस्था नहीं की गई है. खिलाड़ियों के ठहरने के लिए होटल, अस्थायी कंटेनर आवास और कोस्टा सेरेना क्रूज शिप का इस्तेमाल किया जा रहा है. प्रतियोगिताएं जापान के 54 स्थानों पर आयोजित होंगी. इस आयोजन की आधिकारिक थीम 'एक एशिया की कल्पना' रखी गई है.

खेल संबंधों को करेंगे मजबूत : मांडविया

नई दिल्ली, 19 सितंबर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) के महानिदेशक और वर्ल्ड एक्वाटिक्स के अध्यक्ष कैप्टन हुसैन अल-मुसल्लम से एशियाई महासंघों के साथ भारत के खेल सहयोग को बढ़ाने और देश के एक्वाटिक स्पोर्ट्स पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने को लेकर चर्चा की.

डॉ. मांडविया और अल-मुसल्लम ने भारत के राष्ट्रीय खेल महासंघों और उनके संबंधित एशियाई महासंघों के बीच बेहतर तालमेल पर चर्चा के साथ ही जमीनी स्तर पर भागीदारी बढ़ाने और एक्वाटिक खेलों में युवा प्रतिभाओं के लिए रास्ते बनाने के तरीकों पर भी विचार किया.

डॉ. मांडविया ने सोशल मीडिया पर बताया, 'जापान के नागोया में 20वें एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 के दौरान ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) के महानिदेशक और वर्ल्ड एक्वाटिक्स के अध्यक्ष कैप्टन हुसैन अल-मुसल्लम के साथ बैठक की. हमने भारत के राष्ट्रीय खेल महासंघों और उनके संबंधित एशियाई महासंघों के बीच सहयोग को मजबूत करने और भारत में एक्वाटिक खेलों को और विकसित करने के तरीकों पर चर्चा की. जिसमें जमीनी स्तर पर भागीदारी और युवा प्रतिभाओं को निखारने पर ध्यान दिया गया. बातचीत में भागीदारी बढ़ाने और एक्वाटिक खेलों में प्रतिभा विकास का एक मजबूत रास्ता बनाने के तरीकों पर भी चर्चा हुई.'

वाणी ओपनिंग सेरेमनी में बिखेरेंगे जलवा

नवभारत न्यूज नेटवर्क

देहरादून, 19 सितंबर उत्तराखंड प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन के भव्य उद्घाटन समारोह को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. 21 सितंबर को देहरादून के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड अभिनेत्री वाणी कपूर मुख्य आकर्षण होंगी.

इसके साथ ही उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक और संगीतमय धरोहर की झलक भी मंच पर देखने को मिलेगी. 21 सितंबर की शाम को होने वाले इस रंगारंग कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों (गढ़वाल, कुमाऊं और जौनसार) के मशहूर लोक गायक अपनी प्रस्तुति देंगे. गढ़वाल से करिश्मा शाह व रुहान भारद्वाज, कुमाऊं से इंदर आर्य, जौनपुर से मंजू नौटियाल और जौनसार से अज्जू तोमर व अजय चौहान एक मंच पर आकर स्थानीय लोक संगीत का जादू बिखेरेंगे.

21 सितंबर को सबसे पहले महिला वर्ग के दो मुकाबले खेले जाएंगे. सुबह 11:00 बजे पिथौरागढ़ हरिकेन्स का मुकाबला देहरादून वॉरियर्स से होगा, जिसके बाद दोपहर 3:00 बजे बागेश्वर एरियल और मसूरी क्वींस की टीमें आमने-सामने होंगी. इन दोनों मैचों के समापन के बाद शाम को भव्य ओपनिंग सेरेमनी आयोजित की जाएगी. ओपनिंग सेरेमनी से पहले सीएयू की सचिव श्रीमती किरण वर्मा ने कहा, 'उद्घाटन समारोह उत्तराखंड प्रीमियर लीग के एक और रोमांचक सीजन की शुरुआत का प्रतीक है.

मनु-पवन ने किया भारतीय दल का नेतृत्व

नागोया, 19 सितंबर. जापान में एशियन गेम्स की आधिकारिक शुरुआत के साथ, दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर और कबड्डी स्टार पवन सहरावत ने नागोया सिटी मिज़ुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारतीय दल का नेतृत्व किया. ओपनिंग सेरेमनी में पूरे महाद्वीप के एथलीट एशियन गेम्स के 20वें संस्करण की औपचारिक शुरुआत के लिए एक साथ आए.

पवन सहरावत को दो बार के एशियन गेम्स शॉट पुट चैंपियन तेजिंदरपाल सिंह तूर की जगह आखिरी समय में चुना गया था, जिन्हें शुरू में भाकर के साथ भारत का ध्वजवाहक नामित किया गया था. हालांकि, लॉजिस्टिकल दिक्कतों के कारण तेजिंदरपाल सिंह तूर को हटना पड़ा. इसके बाद भारतीय पुरुष कबड्डी टीम के साथ एशियन गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट पवन सहरावत को यह सम्मान सौंपा गया.

चीयर्स के साथ किया जोरदार स्वागत

परेड में सबसे ज़बरदस्त स्वागत मेज़बान जापान का हुआ; जब उनके एथलीट्स स्टेडियम में आए, तो लोगों ने ज़ोरदार चीयर्स के साथ उनका स्वागत किया. मुख्य सेरेमनी से पहले एक वार्म-अप प्रोग्राम हुआ, जिसमें जापानी बॉय बैंड आईएनआई और शिगो डिस्ट्रिक्ट बो-नो-टे प्रिजर्वेशन सोसाइटी ने हिस्सा लिया.

एशियन गेम्स ▶ 'परफेक्ट 10' के लिए उतरेगा भारत

सेमीफाइनल में बंगलादेश का सामना भारत से

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नयी दिल्ली, 19 सितंबर. भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में एशियन गेम्स 2026 सेमीफाइनल में बंगलादेश का सामना करेगी. यह मैच भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे शुरू होगा.

एशियन गेम्स महिला क्रिकेट की मौजूदा चैंपियन भारत ने शुक्रवार को क्वार्टर-फाइनल में मेजबान जापान को आठ विकेट से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई. इस आसान जीत में भारत के लिए श्री चरणी और शेफाली वर्मा ने अहम भूमिका निभाई. मौजूदा टूर्नामेंट में बंगलादेशी महिला क्रिकेट टीम की अभी तक असली परीक्षा नहीं हुई है. चीन के खिलाफ उनका क्वार्टर-फाइनल मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था, जिसके बाद आईसीसी रैंकिंग में बेहतर स्थिति की वजह से वे सेमीफाइनल में पहुंच गईं.

आइची-नागोया 2026 में सेमीफाइनल के मुकाबले हांगझोऊ 2023 के शीर्ष चार मैचों जैसे ही हैं. तीन साल पहले भारत ने बंगलादेश को आठ विकेट से हराया था और फिर श्रीलंका को हराकर एशियन गेम्स क्रिकेट चैंपियन बना था. वहीं, श्रीलंका ने शीर्ष चार में पाकिस्तान को हराया था. टी 20 क्रिकेट में भारत का बांग्लादेश के खिलाफ लगातार नौ मैच जीतने का सिलसिला चल रहा है.

भारत ने बंगलादेश के खिलाफ 25 हेड-टू-हेड मुकाबलों में से 22 जीते हैं, जबकि बंगलादेश को आखिरी बार 2023 में जीत मिली थी. दोनों टीमें इस महीने की शुरुआत में एशिया कप सेमीफाइनल में आमने-सामने आई थीं. उस मैच में हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी ने 40 रनों से आसान जीत हासिल की थी.